4 साल में विकास की कोई भी योजना नहीं हुई सफल

पुनीत दुबे

इटारसी, 10 मई, इटारसी के विकास की बड़ी योजनाओं पर ग्रहण लग गया है. नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने 26 अगस्त 2022 को पदभार ग्रहण किया था, तब शहरवासियों को लगा था कि पुराने सभी अध्यक्षों का रिकॉर्ड तोड़कर विकास कार्य को आगे बढ़ाएंगे.

जितनी भी योजनाएं बनीं, वह ग्राउंड पर जीरो साबित

लेकिन जितनी भी बड़ी योजनाएं बनी वह ग्राउंड पर जाकर जीरो साबित हो गई है. इन सभी योजनाओं का विफल होना तकनीकी विभाग और प्रशासनिक पर पकड़ न होना साबित करता है. शहर के बैल बाजार स्थित भूमि पर बनने वाली योजनाओं में भूमिपूजन का रिकॉर्ड ही टूट गया. यदि पिछली कुछ घटनाओं को याद करते तो नगर पालिका परिषद इटारसी ने मुख्य बाजार क्षेत्र में रेस्ट हाउस के सामने (पुत्री शाला स्कूल परिसर में बने शिक्षक सदन के सामने आकांक्षी शौचालय (एस्पिरेशनल टॉयलेट) बनाने का साहस पुन: किया. पहले भी नपा के एक ठेकेदार ने उक्त स्थान पर 5 दुकानों का निर्माण कर लिया था, जिस ठेकेदार को जांच एजेंसी भी नहीं ढूंढ पायी थी. क्योंकि मामला दुकान निर्माण का था. इसलिये भाजपा कार्यकर्ताओं ने आपस में दुकान बांटकर तीन शिक्षकों की पेंशन और वेतन वृद्धि को रुकवा दिया था. आज उक्त शिक्षकों के परिवार अपनी दुखभरी गाथा को लेकर जनप्रतिनिधियों के पास जाते हैं तो उन्हें सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिल पा रहा. एक शिक्षक अजय दुबे का तो निधन हो गया.

अन्य दो शिक्षक जिसमें से सुधांशु शेखर मिश्रा सेवानिवृत्त हो चुके हैं बताया जाता है कि यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा है और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने अभी इसकी कोई अनुमति नहीं दी है. दावा किया जा रहा है कि 25 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस टॉयलेट में तमाम तरह की सुविधा होंगी और इससे शहर के व्यापारियों को फायदा होगा. जानकारी के मुताबिक नगर पालिका जिस स्थान पर यह महत्वाकांक्षी टॉयलेट बनाने जा रही है, यह जमीन शिक्षा विभाग की है और शिक्षक सदन का हिस्सा है. उनका सवाल था कि क्या शिक्षा विभाग ने यह भूखंड नपा को ट्रांसफर कर दिया है किंतु इस पर किसी भी निर्माण की इजाजत नहीं दी है. करीब 10 साल पहले शिक्षा विभाग के इस शिक्षक सदन से जुड़े इस स्थान पर कुछ दुकानों का निर्माण किया गया था. उसमें एक पूर्व पार्षद का नाम खुलेआम लोग ले रहे हैं लेकिन कुछ नहीं हुआ. ये तीनों शिक्षकों के निलंबित होने के बाद दो की वेतनवृद्धि और एक शिक्षक की पेंशन 50 प्रतिशत रोककर प्रशासन ने स्वयं को तो बचा लिया था लेकिन इन तीनों शिक्षकों को बगैर किसी दोष के दोषी बता दिया था और इन तीनों को इसकी सजा भी भुगतनी पड़ी. शिक्षक सदन में तीनों निर्दोष शिक्षकों पर हुई प्रशासनिक कार्यवाही को लेकर कलेक्टर, शिक्षा अधिकारी व अन्य विभाग से नपा प्रशासन को अनुमति मिलने की आस में योजना बना ली थी, जिसके टेंडर भी हो गये थे और चहेते ठेकेदार को ठेका भी मिल गया था. पर भला हो अधिकारियों का जिन्होंने कहा कि कोई अनुमति नहीं देते. नगरपालिका द्वारा अनुमति नहीं मिलने पर शिक्षा विभाग की जमीन पर एस्पिरेशनल टॉयलेट बनाने की योजना बंद करनी पडी.

योजनाएं जो धरातल पर नहीं आ सकीं

- नल जल योजना
- बीओटी काम्पलेक्स
- पुरानी इटारसी स्थित बस स्टेंड
- चौपाटी बाजार
- कान्वेंट स्कूल के बाजू में स्थित न्यास दुकानों की नीलामी
- थाने के बाजू में स्थित कॉम्पलेक्स
- शहर के सभी वाचनालय बंद
- शिक्षक सदन में एस्पिरेशनल टॉयलेट की परमीशन नहीं मिल पाना

हमने प्रशासन से शहर के विकास के अंतर्गत नागरिकों की जनसुविधा के लिये अनेक योजनाएं वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जा चुकी है लेकिन वहां से स्वीकृति प्रदान होते ही कार्य शुरू कर दिया जावेगा.

पंकज चौरे,
अध्यक्ष नपा परिषद इटारसी

कल कूनो में दो मादा चीते होंगे मुक्त

- कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को मिलेगी नई गति
- बोत्सवाना से लाए चीतों ने पूरा किया क्वारंटीन

भोपाल 10 मई. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 मई सोमवार को श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से दो मादा चीतों को सुबह कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त करेंगे. साथ ही कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण भी करेंगे.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दो चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने का यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति प्रदान करेगा और भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा. बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है. इसके बाद उन्हें छोटे बाड़ों में रखा गया था, ताकि वे स्वयं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकें. अब इनमें से दो चीतों को पूर्णत: खुले जंगल में मुक्त किये जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है. प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना है.

फरवरी में बोत्सवाना से आए थे 9 चीते

फरवरी 2026 के अंत में बोत्सवाना से 9 नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे. इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं. इन चीतों के आगमन के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या, देश में जन्मे शावकों सहित, बढ़कर 57 हो गई है. यह 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत तीसरा बड़ा अंतर्राष्ट्रीय चरण है. नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8 चीते भारत लाए गए थे, जबकि वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते कूनो पहुंचे थे. बोत्सवाना से आए चीतों को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से ग्वालियर लाया गया था.

भाजपा नेता और पत्रकार सहित छह लोगों के मोबाइल चोरी

बैतूल. शहर के सदर सब्जी बाजार में रविवार को जेबकतरों ने भाजपा नेता, पत्रकार सहित छह लोगों के मोबाइल फोन चोरी कर लिए. लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है. बाजार में खरीदारी करने पहुंचे पत्रकार मयंक भार्गव, भाजपा नेता मनीष सिंह ठाकुर, अनूप वर्मा तथा रिचर्ड गोम्स सहित कुल छह लोगों के मोबाइल फोन भीड़भाड़ के दौरान अज्ञात चोरों ने पार कर दिए. पीड़ितों को घटना की जानकारी तब लगी, जब उन्होंने फोन निकालने का प्रयास किया. पुलिस के अनुसार मामले में पांच शिकायतें प्राप्त हुई

मध्यप्रदेश में मौसम का मिला-जुला मिजाज

कहीं बारिश तो कहीं भीषण गर्मी

भोपाल, 10 मई. प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम के अलग अलग रूप देखने को मिले हैं. प्रदेश के शहडोल संभाग के जिलों में कुछ स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई है. वहीं भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर, जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में भी बूंदाबांदी दर्ज की गई है.

तो कई संभागों में मौसम शुष्क बना रहा तो कई जिलो में गर्मी की लू का सितम भी जारी हो गया है. तापमान की बात करें तो ग्वालियर रीवा जबलपुर और सागर संभाग के जिलों में दिन का पारा सामान्य से काफी कम रहा, जबकि उज्जैन संभाग में यह सामान्य से अधिक दर्ज किया गया. वहीं प्रदेश में सबसे अधिक तापमान रतलाम में 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. तो सबसे कम न्यूनतम तापमान कटनी के करौंदी में 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा. पचमढ़ी में सबसे कम अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा. जबकि राजगढ़ और अमरकंटक में भी रात का तापमान काफी कम दर्ज किया गया है. प्रदेश के कई हिस्सों जैसे सागर सीहोर और जबलपुर में तेज हवाएं और आंधी का असर भी देखा गया. बैतूल और राजगढ़ जिलों में ओलावृष्टि की सूचना भी मिली है.

भोपाल में मौसम...

मौसम रविवार को दिन में तेज धूप और लू जैसी तेज हवायें चली. जबकि शवनिवार रात में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई थी. जिसके बाद मौसम में कुछ हद तक ठंडक देखने को मिली थी. लेकिन रविवार के मौसम ने फिर से लोगों को गर्मी की लू से झुलसाये रखा. वहीं दिन शहर का अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री रहा. हालांकि शाम होते होते मौसम में हल्का बदलाव नजर आया. फिलहालआने वाले दिनों में दिन में तपिश बढ़ सकती है.

10 लाख से अधिक किसानों से गेहूं उपार्जन

63 लाख मीट्रिक टन से अधिक हुआ गेहूं उपार्जन

पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन करेगा मप्र

भोपाल, 10 मई. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है.

वे स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं. उन्होंने स्वयं तौल व्यवस्थाए बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया है. साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली जा रही है. मुख्यमंत्री के इन औचक निरीक्षण से उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाएँ और अधिक अनुकूल और सहज हो रही हैं. मुख्यमंत्री डॉण् यादव के निर्देशानुसार मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है. देश में गेहूँ उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है. इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूँ उपार्जन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है. प्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है. प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है. शनिवार 9 मई को ही 4 लाख 86 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है.

राज्य	विक्रेता किसान(लाख में)	अंतिम तारीख
मध्यप्रदेश	10	23.5.2026
हरियाणा	9.10	15.5.2026
पंजाब	7.5	10.5.2026
उत्तर प्रदेश	2	15.6.2026
राजस्थान	1.67	31.5.2026

एसपी भूटिया ने औचक निरीक्षण कर चार थानों की व्यवस्थाएं परखीं

शिवपुरी. नई पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भुटिया ने जिला मुख्यालय के चार प्रमुख थानों का औचक निरीक्षण किया. इनमें कोतवाली, देहात, फिजिकल और महिला थाना शामिल हैं. निरीक्षण के दौरान एसपी भुटिया ने थानों में चल रही कार्यवाहियों की जानकारी ली. उन्होंने परिसर, हवालात, रिकॉर्ड रूम और आर्म्स रूम का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

15 से पुणे-गोरखपुर के बीच चलेगी ट्रेन

भोपाल, 10 मई. ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ और सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पुणे-गोरखपुर-पुणे मार्ग पर विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. बता दें पुणे-गोरखपुर-पुणे स्पेशल ट्रेन 15 मई से 15 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन संचालित की जाएगी.

जि कि पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, रानी कमलापति और बीना स्टेशनों पर रुकेगी, जिससे मध्य प्रदेश के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. वहीं पुणे से गोरखपुर यह ट्रेन 15 मई से 15 जुलाई तक प्रतिदिन सुबह 6 बजकर 50 बजे पुणे से रवाना होगी. उसी दिन रात 9 बजकर 10 बजे इटारसी और 11 बजकर 15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी. जो कि अगले दिन मध्यरात्रि 1 बजकर 25 बजे बीना होते हुए 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी.

तीसरे दिन सुबह 3 बजकर 15 बजे यह ट्रेन हड़पसर पहुंचेगी. बता दें ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिये कुल 18 कोच होंगें. वहीं ट्रेन अपने मार्ग में दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा और बस्ती स्टेशनों पर रुकेगी.

ब्राह्मण समाज की रक्तदान शिविर को लेकर बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 10 मई। ब्राह्मण समाज द्वारा आगामी 17 मई को आयोजित होने वाले विशाल रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर मिश्रा पॉलीक्लीनिक एवं नर्सिंग होम स्थित महामना सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

बैठक में प्रस्तावित वृहद रक्तदान शिविर के सफल आयोजन हेतु तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए और जिम्मेदारियों का निर्धारण किया। इस दौरान राम अशोक शर्मा, अमित द्विवेदी, डॉ. डीके मिश्रा, वीरेन्द्र पाठक, मिथिलेश मिश्रा, डॉ. आरडी पाण्डेय, शिवेंद्र पाण्डेय, आशीष शुक्ला, शिव कुमार पाण्डेय, सतेन्द्र पाण्डेय, प्रीतेश पाठक, सौरभ दुबे, मनीष चौबे, विवेक कुमार त्रिपाठी, ओम प्रकाश तिवारी, अनंत चतुर्वेदी, राजेश दुबे, रजनीश धर द्विवेदी, गजमोचन सिंह एवं राहुल शर्मा सहित समाज के कई सदस्य मौजूद रहे।

फर्जी अवैध अस्पतालों पर कसेगा शिकंजा

- खंगाले जाएंगे पंजीयन और डिग्री

उज्जैन. शहर में गली-मोहल्लों में कुकुरमुत्तों की तरह उग आए निजी अस्पतालों, क्लीनिकों और पॉली क्लीनिकों पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है. वर्षों से चंद रुपयों के लालच में बिना पर्याप्त संसाधनों, बिना पंजीयन और बिना योग्य चिकित्सकों के अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं.

इन अस्पतालों में इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं, बोतलें चढ़ाई जा रही हैं, छोटे-बड़े ऑपरेशन किए जा रहे हैं, यहां तक कि आईसीयू और ऑपरेशन थिएटर भी संचालित किए जा रहे हैं, कई अस्पतालों में व्यवस्थाएं बेहद कमजोर,इलाज गुणवत्ताहीन किए जा रहे. जांच दल यह देखेंगे कि अस्पताल में मान्यता प्राप्त डॉक्टर कार्यरत हैं या नहीं, उनके पास वैध डिग्रियां हैं या नहीं, प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ उपलब्ध है या नहीं, अस्पताल का सीएमएचओ कार्यालय में विधिवत पंजीयन है या नहीं, तथा आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर और अन्य उपकरण तकनीकी रूप से सक्षम और कार्यशील हैं या नहीं. यह भी जांचा जाएगा कि मरीजों का किस बीमारी के लिए उपचार किया जा रहा है , इलाज कौन कर रहा है, डॉक्टर की विशेषज्ञता क्या है, और उपचार के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन हो रहा है या नहीं.

उज्जैन शहर के लिए 5 जांच दल गठित

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने मोर्चा खोल दिया है. कलेक्टर ने अपंजीकृत क्लीनिकों और अस्पतालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. उनके आदेश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने शहर और जिले में संचालित अस्पतालों एवं क्लीनिकों की जांच के लिए व्यापक अभियान शुरू किया है(कलेक्टर के निर्देश पर उज्जैन शहर में संचालित क्लीनिकों और अस्पतालों के निरीक्षण के लिए पांच जांच दल गठित किए गए हैं. ये दल अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर अस्पतालों, क्लीनिकों और पॉलीक्लिनिकों का निरीक्षण करेंगे और नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे. इसके साथ ही जिले के सभी ब्लॉक मेडिकल अधिकारियों और मेडिकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण करें और अवैध रूप से संचालित अपंजीकृत अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें.

कार्यालय कलेक्टर एवं पदेन उप सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग, जिला- सतना (म0प्र0)

प्रकरण क्रमांक /466/ भू-अर्जन / 2026 सतना दिनांक - 22/04/2026

सार्वजनिक सूचना

(मध्यप्रदेश शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति अन्तर्गत)

मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल के परिपत्र दिनांक 12/11/2014 एवं मध्यप्रदेश राजपत्र दिनांक 12/11/2014 में प्रकाशित अधिसूचना के परिपालन में म0प्र0 शासन की आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति के तहत प्रस्तावित निम्नानुसार नीचे दर्शाई गई अनुसूची के कॉलम क्र. 2 में उल्लेखित भूमि धारकों की अनुसूची के कॉलम नं. 3 एवं 4 अनुसार भूमि कार्यपालन यंत्री, बाणसागर पुरवा नहर संभाग क्रमांक - 2 सतना म.प्र. के अन्तर्गत बाणसागर बहुती मुख्य नहर निर्माण के लिए आवश्यक है ।

अनुसूची
भूमि का वर्णन

(क)ग्राम- कोरिगवां (ख) तहसील -रामपुर बाघेलान
(ग) जिला- सतना (घ) क्षेत्रफल-0.081

क्र.	भूमि धारक का नाम एवं पता	खसरा क्रमांक	क्रय नीति के तहत प्रस्तावित क्षेत्रफल हे0 में
1	2	3	4
1	श्री रामनरेश पिता रामसखा ब्रा. ग्राम कोरिगवां तहसील रामपुरबाघेलान जिला सतना (म0प्र0)	821	0.081 हे.,
	योग-		0.081 हे.

02. उपरोक्त कृषक की ग्राम कोरिगवां तहसील रामपुरबाघेलान जिला सतना (म0प्र0) की भूमि कार्यपालन यंत्री, बाणसागर पुरवा नहर संभाग क्रमांक-2 सतना म.प्र. के अन्तर्गत बाणसागर बहुती मुख्य नहर निर्माण के लिए क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह नियत अवधि (सार्वजनिक सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 15 दिवस के अंदर) में आधार सहित कलेक्टर के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।
03. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कलेक्टर कार्यालय सतना / भू-अर्जन अधिकारी सतना के कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
(डॉ. सतीश कुमार एस.)
कलेक्टर
जिला सतना (म0प्र0)
एवं पदेन उप सचिव म0प्र0 शासन
राजस्व विभाग

G-12630/26

ओबीसी अभ्यर्थियों के आंदोलन को मिला समर्थन

पटवारी ने आंदोलनरत युवाओं से मुलाकात की

विशेष संवाददाता

भोपाल, 10 मई. मध्यप्रदेश में विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में 13 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े पदों को होल्ड रखने के विरोध में आंदोलन कर रहे ओबीसी अभ्यर्थियों को रविवार को कांग्रेस का समर्थन मिला.

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भोपाल स्थित आंबेडकर पार्क पहुंचकर आंदोलनरत युवाओं से मुलाकात की और उनकी मांगों का समर्थन किया. प्रदेशभर से आए अभ्यर्थी 13 प्रतिशत होल्ड अभ्यर्थी संघ के बैनर तले शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती तथा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की भर्तियों में रोके गए पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग कर रहे थे. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लंबे समय से भर्ती प्रक्रियाएं अधर में लटकी हुई हैं, जिससे हजारों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है.

गौरतलब है कि राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला फिलहाल न्यायालय में लंबित है. इसी कारण सरकार ने कई भर्ती प्रक्रियाओं में 13 प्रतिशत पदों को होल्ड कर रखा है.

इसका असर वर्ष 2018, 2020 और 2023 की विभिन्न परीक्षाओं एवं नियुक्तियों पर पड़ा है. धरना स्थल पर संबोधित करते हुए पटवारी ने भाजपा सरकार पर सामाजिक न्याय और आरक्षण की भावना को कमजोर करने का आरोप लगाया.

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, लेकिन वर्तमान सरकार उसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकी.

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने अदालत में मामले की गंभीरता से पैरवी नहीं की और बार-बार वकीलों के पैनल बदलने से स्थिति और जटिल हो गई. पटवारी ने आरक्षण कानून को लेकर मुख्यमंत्री की हालिया टिप्पणियों की भी आलोचना करते हुए उन्हें संविधान और ओबीसी समाज का अपमान बताया. उन्होंने मांग की कि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ तत्काल बहाल किया जाए और होल्ड पदों पर शीघ्र नियुक्तियां की जाएं.

Government of Madhya Pradesh
Public Health Engineering Department

NIT No 05/EE/PHED/2026-27/Satna, Dated 08-05-2026

Online percentage rate bids for the following works are invited from registered contractors and firms of repute fulfilling registration criteria:

Name of Work- Drilling of 10 Nos 200 mm dia Ordinary Tube well, 120 mtr. Deep including Yield Test in block Nagod in Satna District

NIT. No	E-Tender No	Block	PAC (in Lakh)	EMD (Rupees)	Document Fee (Rupees)	Time Limit	Tender Invitation
04	2026_PHED_505997_1	Nagod	9.74	19500	2000	30 Days	First Call

1 Interested bidders can view the NIT on website http://www.mptenders.gov.in
2. Bid Document Can be Seen and downloaded from the website http://www.mptenders.gov.in Up to 19-05-2026 05:30 PM.
3 The bid can be submitted in electronic format on the website http://www.mptenders.gov.in. The deadline for submission of the bid is up to 19-05-2026 05:30 PM.
4. Amendments to NIT, if any, would be published on websitehttp://www.mptenders.gov.in only, and not in newspapers.

Executive Engineer
PHE Division Satna
Mobile No. 8770013130

G-12666/26